अनुक्रमणिका

भूमिका

अध्याय 1: प्रस्तावना एवं शोध प्रविधि 1- 10

1.1 शोध परिचय

1.2 साहित्य पुनर्वालोकन

1.3 शोध का उद्देश्य

1.4 शोध का महत्व

1.5 परिकल्पना

1.6 शोध प्रविधि

1.7 शोध सीमा

अध्याय 2 : जनसंपर्क: स्वरूप एवं सिद्धांत 11- 22

2. 1 जनसंपर्क की अवधारणा

2. 2 जनसंपर्क की प्रमुख परिभाषाएं

2. 3 जनसंपर्क शोध

2. 4 जनसंपर्क का स्वरूप

2. 5 जनसंपर्क सिद्धांत

अध्याय 3 : पंचायती राज व्यवस्था की अवधारणा 23- 35

3. 1 पंचायती राज का अर्थ

3. 2 वर्धा जिला , आर्वी तहसील का परिचय

3. 3 भारत में पंचायती राज का सिद्धांत

3. 4 पंचायती राज व्यवस्था में महात्मा गांधी के सिद्धांत

अध्याय 4: विकास परियोजना एवं पंचायती राज ……36- 46

4. 1 पंचायती राज के काम काज, अधिकार

4. 2 केंद्र सरकार योजना

4. 3 महाराष्ट्र राज्य सरकार योजना

4. 4 ग्रामस्तरीय नियोजन

अध्याय 5 : पंचायती राज व्यवस्था के उत्थान में सरकारी जनसंपर्क की भूमिका ……..47- 55

5. 1 सरकारी जनसंपर्क माध्यम

5. 2 ग्रामीण विकास में दीर्घकालिक जनसंपर्क माध्यमों की भूमिका

5. 3 ग्रामीण विकास में किसान चैनल का योगदान

अध्याय 6 : सरकारी जनसंपर्क का पंचायती राज व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन 56-70

6. 1 जनसंपर्क का प्रभाव

6. 2 पंचायत समिति योजना के आकडे एवं विश्लेषण

6. 3 प्रश्नावली एवं आंकड़ो का विश्लेषण, प्रस्तुतीकरण

अध्याय 7 : निष्कर्ष एवं सुझाव ……..71- 73

संदर्भ सूचि……74- 75

परिशिष्ट

आभार

किसी भी लघु शोध प्रबंध का लेखन कार्य एक समूहिक कार्य होता है। कोई भी व्यक्ति यशस्वी होता है तो उसके पीछे कही न कही समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके बिना हमारा कार्य लक्ष्य पूरा नहीं होता। जिसमें बहुत से लोगों की प्रत्यक्ष ,अप्रत्यक्ष ,भावनात्मक और प्रोत्साहनात्मक भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

मै इस शोध कार्य को करने के लिए संचार एवं मीडिया अध्ययन विभाग के केंद्र निर्देशक डॉ. अनिल कुमार राय सर ने अनुमति दी। इस लेखन कार्य में मेरे पिताजी दशरथ कोकाटे, माताजी सिंधु कोकाटे , सहायक प्रोफेसर डॉ. अख्तर आलम सर, सहायक प्रोफेसर . राजेश लेहकपूरे , सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया, सहायक प्रोफेसर डॉ. रेणु सिंह विदर्भ के किसान नेते विजय जावंधिया, उस्मानाबाद जिला जनसंपर्क अधिकारी दीपक चव्हाण , इस शोध कार्य को करने के लिए अपने कुछ जनसंपर्क अधिकारी मित्र की समय-समय पर सहायता मिली, मेरे प्रिय मित्र वैभव उपाध्याय, देवेंद्रनाथ तिवारी,

इस लेखन में प्रत्यक्ष ,अप्रत्यक्ष सभी सहयोगी के प्रति मै दिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442005 (महाराष्ट्र) भारत

घोषणा- पत्र

मै शोधार्थी **बलिराम कोकाटे** घोषणा करता हूँ कि "**पंचायती राज व्यवस्था के सशक्तिकरण में सरकारी जनसंपर्क की भूमिका (वर्धा जिले के आर्वी पंचायत समिति के संदर्भ में)**" लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य हैं। इसे अंशत: या पूर्णता इस विश्वविविद्यालय या अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने सहायक प्रो .डॉ.अख्तर आलम के निर्देशन व मार्गदर्शन में पूरा किया है। मै घोषणा करता हूँ कि इस लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविविद्यालय के शोध संबधित सभी नियमों का पालन किया है।

भवदीय

स्थान: बलीराम दशरथ कोकाटे

दिनांक पंजीकरण संख्या

2014/05/208/006

प्रति हस्ताक्षर

(शोध- निर्देशक)